मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के डिज़ाइन एवं इनोवेशन विभाग ने 19 प्रमुख ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित करते हुए 'डिज़ाइन डिग्री शो 2026' का उद्घाटन किया; DDS 2026 कैटलॉग भी जारी किया गया।

नई दिल्ली, 25 मई, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के वास्तुकला और एकिस्टिक्स संकाय के डिज़ाइन एवं इनोवेशन विभाग ने शुक्रवार, 22 मई, 2026 को जेएमआई के एफटीके-सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र (FTK-CIT) के कॉन्फ्रेंस हॉल में 'डिज़ाइन डिग्री शो 2026' (DDS 2026) का उद्घाटन किया। 22 और 23 मई, 2026 को आयोजित होने वाली यह दो-दिवसीय प्रदर्शनी, 'मास्टर ऑफ़ डिज़ाइन' के छात्रों के प्रमुख अंतिम प्रोजेक्ट्स को प्रदर्शित करती है। यह प्रदर्शनी रचनात्मकता, नवाचार, अनुसंधान और डिज़ाइन सोच का उत्सव है, जो 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

उद्घाटन समारोह का औपचारिक शुभारंभ जेएमआई के रजिस्ट्रार प्रो. मो. महताब आलम रिज़वी ने किया, जो इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने स्वागत भाषण में, वास्तुकला और एकिस्टिक्स संकाय के डीन और डिज़ाइन और इनोवेशन विभाग के प्रमुख प्रो. कमर इरशाद ने एक ऐसे शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, जहाँ कल्पना को सार्थक नवाचार और सामाजिक रूप से प्रासंगिक डिज़ाइन समाधानों में बदला जाता है। साथ ही, उन्होंने विश्वविद्यालय में नवाचार, डिज़ाइन शिक्षा और अंतर्विषयक शिक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के माननीय कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ से मिले निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की।

उद्घाटन भाषण देते हुए, जेएमआई के रजिस्ट्रार प्रो. मो. महताब आलम रिज़वी ने छात्रों द्वारा किए गए रचनात्मक और अनुसंधान-उन्मुख कार्यों की सराहना की, और उन्हें जिज्ञासा, प्रतिबद्धता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ डिज़ाइन के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि समाज, संस्कृति, प्रौद्योगिकी और भविष्य को आकार देने में डिज़ाइन की एक परिवर्तनकारी भूमिका होती है। उन्होंने 'विकसित भारत' की आकांक्षाओं के अनुरूप नवाचार-संचालित प्रतिभाओं को पोषित करने की दिशा में विभाग के योगदान की भी सराहना की। इस प्रदर्शनी में उन्नीस प्रमुख ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट्स पेश किए गए हैं, जिनमें इंडस्ट्रियल और प्रोडक्ट डिज़ाइन, यूज़र एक्सपीरियंस और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म डिज़ाइन, कम्युनिकेशन डिज़ाइन, प्रदर्शनी डिज़ाइन और सिस्टम डिज़ाइन शामिल हैं। ये प्रोजेक्ट्स सस्टेनेबिलिटी, समावेशिता, तकनीकी नवाचार और सामुदायिक जुड़ाव पर ज़ोर देते हैं। प्रदर्शित किए गए उल्लेखनीय कार्यों में बिजली-मुक्त हाइब्रिड सिरेमिक खाद्य संरक्षण प्रणाली, मशीन-लर्निंग-सहायता प्राप्त नवजात शिशु देखभाल उपकरण, भारत के रेशम उत्पादन समुदाय के लिए बहुभाषी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म,

बिना एसी वाले रेलवे कोचों के लिए कूलिंग सिस्टम और दिल्ली के जामिया नगर के लिए ई-रिक्शा मोबिलिटी फ्रेमवर्क शामिल थे।

प्रो. ललित कुमार दास, जो एक वरिष्ठ फैकल्टी सदस्य हैं, उन्होंने एक इंटरडिसिप्लिनरी मेंटरिंग पहल का प्रस्ताव रखा। इसके तहत छात्रों को डिज़ाइन और अन्य शैक्षणिक विभागों के फैकल्टी सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से मार्गदर्शन दिया जाएगा, जिससे सीखने के व्यापक दृष्टिकोण और अधिक समग्र शैक्षणिक विकास संभव हो सकेगा।

समारोह का एक मुख्य आकर्षण मुख्य अतिथि द्वारा डीन और वरिष्ठ फैकल्टी सदस्यों के साथ मिलकर 'DDS 2026 कैटलॉग' का आधिकारिक विमोचन था। इस दौरान छात्रों, फैकल्टी सदस्यों और आमंत्रित अतिथियों ने पूरे उत्साह के साथ तालियाँ बजाईं। यह कैटलॉग ग्रेजुएशन प्रोजेक्ट्स का दस्तावेज़ीकरण करता है और विभाग की शैक्षणिक तथा रचनात्मक उपलब्धियों को दर्शाता है।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ. तौसीफ़ मजीद ने दिया। उन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्य अतिथि, विशिष्ट फैकल्टी सदस्यों, जूरी सदस्यों, मेंटर्स, छात्रों, आयोजन टीमों और सभी योगदानकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उद्घाटन सत्र के बाद, जूरी सदस्यों ने मूल्यांकन करने और ग्रेजुएशन कर रहे छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए प्रदर्शनी स्थलों का दौरा किया।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी